विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान
अखिल भारतीय–हिन्दी गीत (प्राथमिक कक्षाओं हेतु)
सत्र 2016–17

वीर शिवा के वंशज हैं हम राणा की संतान हैं।
फूल महकते मधुवन वाले, तारों की मुस्कान हैं।।
वीर शिवा.....

1 यह धरती बलिदानों की, भीड़ लगी वरदानों की,
गिनती क्या मधुगानों की,
चन्द्रगुप्त के अनुयायी हम, विक्रम के जय गान हैं।
वीर शिवा.....

2 हमको बढ़ना आता है, रिपु से लड़ना आता है,
रण में अड़ना आता है,
तिलक, गोखले, सुभाष वाली, मधुवीणा की तान हैं।
वीर शिवा.....

3 कोई जाल बिछाओ ना अंगुली इधर उठाओ ना,
मधु में जहर मिलाओ ना,
नहीं झुके हम नहीं झुकेंगे, शक्तिपुंज गतिमान हैं।
वीर शिवा.....

4 सिन्धु उधर लहराता है, हिमगिरि इधर लुभाता है,
प्यारी भारत माता है,
गंगा यमुना की स्वर लहरी, नूतन स्वप्न वितान हैं।
वीर शिवा.....

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

अखिल भारतीय–हिन्दी गीत (माध्यमिक कक्षाओं हेतु)

सत्र 2016–17

सुन्दर स्वर्ग समान देश यह, भारतवर्ष हमारा।
यह भारत देश हमारा, यह भारत देश हमारा।।

उत्तर में नगराज हिमालय, करता है रखवाली।
दक्षिण में चरणों को धोता, सागर गौरवशाली।
यहाँ बह रही गंगा–यमुना–सरस्वती की धारा।।
यह भारत देश.....

रामकृष्ण की कथा गूँजती, गुरूनानक की वाणी।
नृप अशोक की धर्म–विजय भी, हुई लोक–कल्याणी।
वीर विक्रमादित्य हर्ष ने, अरियों को ललकारा।।
यह भारत देश.....

वीर प्रताप पले कष्टों में, स्वतंत्रता कब त्यागी।
वीर शिवा से हुए अनेकों यहाँ देश अनुरागी।
झाँसी की रानी ने सब कुछ, मातृभूमि पर वारा।।
यह भारत देश.....

इसकी रक्षा सदा करेंगे, हम सच्चे सेनानी।
झुकने कभी न देंगे इसका, हम मस्तक अभिमानी।
लहरे अजय तिरंगा युग–युग, यही एक हो नारा।।
यह भारत देश.....

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान
अखिल भारतीय–संस्कृत गीत
सत्र 2016–17

जननी जन्मभूमि माँ, विराट रूप धारिणी।
शत सहस्त्र नमत शीश, रक्ष–रक्ष मानिनी।।
शत सहस्त्र नमत.....

जयतु–जयतु जय दुर्जति दनुज वंश नाशिनी।
कोटि–कोटि आर्त नाद क्लेश ताप हारिणी।
शस्य श्याम सुख विराम दिव्य शक्ति धारिणी।।
शत सहस्त्र नमत.....

हिमगिरि तव शुभ्र मुकुट गंग स्त्रोत वाहिनी।
विंध्यमाल कटि शोभित रूप मनोहारिणी।
रत्नाकर पद वंदित कमल दल विहारिणी।।
शत सहस्त्र नमत.....

सौम्य मूर्ति प्रखर कीर्ति विश्ववंद्य स्वामिनी।
शंख चक्र ध्वजा पद्म प्रतीक रूप शोभिनी।
भव्य भारती स्वरूप मंगलमय भामिनी।।
शत सहस्त्र नमत.....